an>

Title: Need to include Kabaddi in Olympic Games.

श्री रामस्वरूप शर्मा (मंडी) : महोदय, मैं सरकार का ध्यान कबड्डी खेल की ओर आकर्Âिात करना चाहता हूँ। इस भारतीय खेल का इतिहास बहुत पुराना है। इस खेल में गाँव का हर नवयुवक गहरी रूचि एवं आस्था रखता है। यह दर्शकों का भी मनपसन्द खेल है। जन-जन के रोम-रोम में यह खेल बसा हुआ है, लेकिन दुःख और दुर्भाग्य की बात है कि विश्व स्तर पर खेले जाने के बावजूद भी इस भारतीय खेल को अन्तर्राÂट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा मान्यता नहीं दी गई है। कहते हैं कि कबड्डी महाभारत के युद्ध से निकला हुआ खेल है, जिसमें सात योद्धाओं का चक्रव्यूह तोड़ने की कोशिश में अभिमन्यु वीरगति को प्राप्त हुए थे। छोटे से मैदान में सात खिलाड़ियों के चक्रव्यूह में भिड़ते हुए एक खिलाड़ी वाला खेल सदियों से भारतीय उपमहाद्वीप में खेला जाता है। यह अलग बात है कि विश्व चैम्पियन जैसे कई प्रतिÂिठत खिताबों के बावजूद भारत में कबड्डी के खिलाड़ियों की धमक इस खेल की दिलचस्पी रखने वालों के अति सीमित दायरे तक ही रही है।

महोदय, वÂाों से आईओसी के अधिकारी इसे ओलम्पिक खेलों में मान्यता देने से कतराते रहे हैं, जबकि यह खेल इस समय 41 से अधिक देशों में सीखने और अपनाने में दिलचस्पी ले रहे हैं। आईओसी के नियमों के अनुसार 50 देशों की सहभागिता इसमें होनी चाहिए, तभी वह किसी खेल को मान्यता देता है। मैं समझता हूँ कि जब इतने अधिक खेल प्रेमी इस खेल में सदियों से इतनी गहरी आस्था रखते हैं तो इस खेल भावना को देखते हुए आईओसी के नियमों में थोड़ी शिथिलता बरतने की आवश्यकता है, जिससे यह खेल ओलम्पिक खेलों में सम्मिलित होने में आ रही बाधाओं को दूर कर सके। अगर आईओसी ऐसा नहीं करता तो कहीं ऐसा तो नहीं कि इस खेल को एशिया और विशेÂाकर भारत के दबदबे को देखते हुए आईओसी के कर्ताधर्ता डर रहे हों कि ओलम्पिक खेलों में कबड्डी को शामिल करने से परिणाम भारत के पक्ष में जाएं।

मेरी सरकार से मांग है कि जिस प्रकार माननीय प्रधानमंत्री जी मोदी जी ने योग को पूरे विश्व में अहम स्थान दिलाने में सफलता हासिल की है, उसी प्रकार इस भारतीय लोकप्रिय खेल कबड्डी को ओलम्पिक खेलों में सम्मिलित कराने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं, जिससे वÂाऩ 2020 में खेले जाने वाले ओलम्पिक खेलों में कबड्डी शामिल हो सके। बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. DEPUTY SPEAKER: *m02Shri Bhairon Prasad Mishra is allowed to associate with the issue raised by Shri Ram Swaroop Sharma.